खबर संक्षेप

जल होगा तो कल होगा, जल बचाना हम सबकी जिम्मेदारी

शहडोल। जिले में भी जल के संरक्षण, संवर्धन एवं जल के एक-एक बूंद का महत्व बताने के लिए 8 मार्च से 22 मार्च 2026 तक जल महोत्सव अभियान चलाया जा रहा है। जल महोत्सव अभियान के तहत शहडोल जिले के नागरिक उत्साहपूर्वक बढ़ चढक़र सहभागिता निभा रहें। इस अभियान के तहत जल का महत्व बताने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मैदानी अमले द्वारा शहडोल जिले में जल जागरूकता रैली, जल के संरक्षण की शपथ, जल की गुणवता की जांच जैसी अन्य गतिविधियां आयोजित की जा रही है। इसी अनुक्रम में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एच.एल.धुर्वे के मार्गदर्शन में जल महोत्सव का कार्यक्रम जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पंचायत गिरवा में जल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल प्रदाय करने वाले पम्प चालक, उत्कृष्ट एफटीके परीक्षण करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा जल रक्षक पंचायत प्रतिनिधियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। साथ ही जल महोत्सव अंतर्गत जल जीवन मिशन, स्वच्छ जल सशक्त भारत, नल से मिला जब स्वच्छ जल आसान हुआ हर पल, मैं भी जल मित्र, जल को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी जैसे अन्य स्लोगन के साथ ,लोगो ने जल का महत्व बताया। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मैदानी अमले द्वारा उपस्थित ग्रामवासियो को जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में सरपंच ग्राम पंचायत गिरवा, विकासखंड समन्वयक रोहिणी गुप्ता, रोहणी कुमार बर्मन सहित अन्य ग्रामवासी उपस्थित रहें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी का निरीक्षण लापरवाही पर सख्ती

शहडोल। मुख्य नगर पालिका अधिकारी शहडोल श्रीमती आशा भंडारी ने नगर के प्रमुख मार्गों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गांधी चैक से न्यू बस स्टैंड होते हुए इंदिरा चैक मार्ग का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर सडक़ों पर कचरे के ढेर पाए गए तथा निर्धारित समय पर सफाई कार्य नहीं किया गया था। सुबह 10 बजे तक मार्गों पर कचरा पाए जाने पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने संबंधित कर्मचारियों पर अप्रसन्नता व्यक्त की। लापरवाही पाए जाने पर जोन प्रभारी आनंद यादव एवं प्रीतम के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उनका एक दिन का वेतन काटने के निर्देश स्वच्छता निरीक्षक को दिए गए। मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देशानुसार तत्काल सफाई कराते हुए कचरे को हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित कराई गई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि नगर की स्वच्छता व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा भविष्य में इस प्रकार की स्थिति पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शिकायत के बाद परिजन ने कराया शपथ पत्र

उप जेल बुढ़ार में बंदी से मारपीट और रिश्वतखोरी के आरोप

पुलिस अधीक्षक व कलेक्टर को पहले दे चुके हैं शिकायत अब शपथ पत्र देकर आरोपों पर कायम रहने की कही बात

शहडोल। जिले की उप जेल बुढ़ार एक बार फिर गंभीर आरोपों के कारण चर्चा में आ गई है। जेल में बंद एक बंदी के साथ कथित मारपीट और रिश्वत लेकर मुलाकात कराने जैसे आरोप सामने आए हैं। मामले में बंदी के परिजन पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर के पास पहुंचकर लिखित शिकायत देते हुए निष्पक्ष जांच और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर चुके हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संतवीर रजक उर्फ छोटू निवासी मतनीटोला शहडोल, अक्टूबर 2025 से उप जेल बुढ़ार में निरुद्ध है। उसके परिजनों ने आरोप लगाया है कि 16 मार्च 2026 को जब संतवीर रजक को शहडोल न्यायालय में पेशी के लिए लाया गया था, तब वह पूरी तरह स्वस्थ था, लेकिन पेशी के बाद शाम करीब 8 बजे जब उसे वापस उप जेल बुढ़ार ले जाया गया, तब कुछ पुलिस कर्मियों और जेल कर्मचारियों द्वारा उसके साथ कथित रूप से मारपीट की गई।

परिजनों का आरोप है कि मारपीट इतनी गंभीर थी कि बंदी की तबीयत बिगड़ गई और उसे खून की उल्टी तक होने लगी। घटना की जानकारी मिलने के बाद जब परिजनों ने जेल प्रशासन से संपर्क

करने की कोशिश की तो उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद परिजन पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। परिजनों ने यह भी मांग की है कि बंदी की सुरक्षा को देखते हुए उसे उप जेल बुढ़ार से जिला जेल स्थानांतरित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो सके।

इसी दौरान बंदी के साथ आए एक अन्य परिजन ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि उप जेल बुढ़ार में बंदियों से मुलाकात कराने के लिए पैसे लिए जाते हैं। उनके अनुसार यदि कोई व्यक्ति कैदी से मिलने जाता है तो उससे करीब 1500 रुपये तक वसूले जाते हैं। इतना ही नहीं, यदि कोई व्यक्ति बंदी से कुछ देर बातचीत करना चाहता है तो उसके लिए भी करीब 100 रुपये प्रति व्यक्ति तक लिए जाने का आरोप लगाया गया है। परिजनों का कहना है कि यदि पैसे नहीं दिए जाएं तो मुलाकात कराने में टालमटोल किया जाता है या मिलने नहीं दिया जाता।

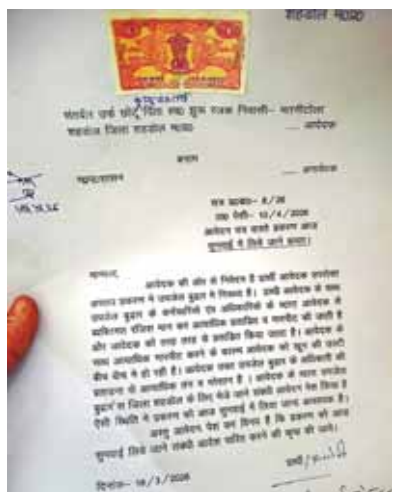

बताया गया है कि इस मामले में परिजनों ने एक दिन पहले ही पुलिस अधीक्षक और जिला प्रशासन को शिकायत दी थी, लेकिन सुनवाई को लेकर संदेह होने के कारण शिकायतकर्ता ने 18 मार्च 2026 को न्यायालय में एक शपथ पत्र भी प्रस्तुत कराया है। शपथ पत्र में संतवीर रजक ने उल्लेख किया है कि उप जेल बुढ़ार के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा उसके साथ मारपीट कर प्रताड़ित किया गया है, जिससे वह अत्यधिक परेशान है। आवेदन में यह भी कहा गया है कि लगातार प्रताडऩा के कारण उसकी तबीयत खराब हो रही है और बीच-बीच में खून की उल्टी तक हो रही है। शपथ पत्र के

माध्यम से शिकायतकर्ता ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह अपने आरोपों पर कायम है और पूरे मामले की सुनवाई कर उचित कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि उप जेल बुढ़ार पहले भी विवादों में रह चुकी है। बीते वर्ष यहां पदस्थ जेलर विकास सिंह के खिलाफ गंभीर आरोप लगे थे और उस मामले में शहडोल कोतवाली में प्रकरण दर्ज हुआ था। हालांकि बाद में माननीय न्यायालय ने उन्हें उस मामले में बरी कर दिया था। इसके अलावा बीते वर्ष अनूपपुर जेल में भी बंदियों से मारपीट कर पैसे वसूलने के आरोप सामने आए थे। अब उप जेल बुढ़ार में बंदी से मारपीट और रिश्वतखोरी के नए आरोप सामने आने के बाद एक बार फिर जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल पुलिस अधीक्षक कार्यालय में दी गई शिकायत के आधार पर मामले की जांच की उम्मीद जताई जा रही है।

परिजन का बयान

हमने पहले पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को शिकायत दी थी, लेकिन अभी तक कोई ठोस

कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए हमें शपथ पत्र देना पड़ा, ताकि हमारी बात को गंभीरता से लिया जाए। हमारे बच्चे के साथ जेल में मारपीट हुई है और उसकी हालत खराब बताई जा रही है। हम सिर्फ निष्पक्ष जांच और दोषी कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई चाहते हैं।

इनका कहना है...

जो व्यक्ति शिकायत कर रहा है, वह बीती 28 तारीख को ही जेल से बाहर आया है, तीनो भाई बदमाश है, बड़ा भाई शहडोल जेल में है, छोटा जेल में है, जिसके लिए मंझला भाई जो शिकायत कर रहा है, वह दबाव बनाने की नीयत से है, जिसको लेकर शिकायत है, उसके ऊपर 8 से 10 मामले कायम है, जेल अपराध भी दर्ज है, उसने 181 में भी कई शिकायतें की हैं, वह बीमार रहता है और उसका इलाज भी लगातार हो रहा है, जिस प्रहरी का उल्लेख शिकायत में है, उसे कई माह पहले हटा दिया गया है।

विकास सिंह
जेलर
उप जेल बुढ़ार

झूलेलाल मंदिर में हुआ 'सिंधी खाना खजाना' कार्यक्रम

झूलेलाल जयंती से पहले सिंधी समाज में उत्साह

शहडोल। सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल की जयंती के उपलक्ष्य में शहडोल में धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हो चुकी है। इसी क्रम में मंगलवार 17 मार्च को बुढ़ार रोड स्थित श्री झूलेलाल मंदिर में सिंधी समाज की माता-बहनों द्वारा सिंधी खाना खजाना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष चंदन महारानी ने की, जिनके मार्गदर्शन में पूरे आयोजन को उत्साह और भक्ति भाव के साथ संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना और आरती से हुई। इसके बाद समाज की महिलाओं ने पारंपरिक सिंधी व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई और प्रतियोगिता के रूप में अपने-अपने व्यंजन प्रस्तुत किए। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और समाजजनों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली।

कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष चंदन महारानी ने कहा कि भगवान झूलेलाल सिंधी समाज के आराध्य हैं और उनकी जयंती हर वर्ष पूरे उत्साह के साथ मनाई जाती है। जयंती से पहले समाज को एकजुट करने और पारंपरिक संस्कृति को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले शुक्रवार को झूलेलाल जयंती भी मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाएगी। सिंधी खाना खजाना कार्यक्रम में समाज की माता-बहनों ने कई पारंपरिक व्यंजन बनाए, जिनमें सिंधी कढ़ी-चावल, साई भाजी, कुक्की, दाल-पकवान, मीठा लोलो, सेव-बरफी और खीर जैसे स्वादिष्ट पकवान शामिल थे। इन व्यंजनों का स्वाद लेने पहुंचे लोगों ने इनकी जमकर सराहना की और महिलाओं की पाक कला की प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं, जिनमें महिलाओं ने बढ़-चढक़र भाग लिया। पूरे आयोजन में पारिवारिक माहौल और उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर

गोविंद जेठानी, चंदन बहरानी, रमेश खत्री, प्रीतम सोनी, महेंद्र मोटवानी, गुड्डू रुपचंद मगलानी, माया बजाज, मीना देवी और भूमिका हिंदूजा सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे और कार्यक्रम की सराहना की। समाज के अध्यक्ष चंदन महारानी ने अंत में सभी प्रतिभागियों और उपस्थित समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि झूलेलाल जयंती के अवसर पर आने वाले दिनों में भी कई धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें समाज के सभी लोगों से भाग लेने की अपील की गई।

सोती हुई पत्नी पर कुल्हाड़ी से वार करने वाले हत्यारे को उम्रकैद

बुढ़ार कोर्ट के कड़े रुख से अपराधियों में खौफ

बुढार/धनपुरी। रिश्तों का कत्ल करने वाले और ममता के आंचल को लहूलुहान करने वाले एक दरिंदे को आखिर उसके किए की सजा मिल गई है। बुढ़ार के अपर सत्र न्यायालय ने अपनी पत्नी की निर्मम हत्या करने वाले पाषाण हृदय आरोपी गयाप्रसाद चर्मकार को आजीवन कारावास की सख्त सजा सुनाकर समाज को यह कड़ा संदेश दिया है कि कानून की नजरों से कोई कसाई बच नहीं सकता। माननीय न्यायाधीश सुनील कुमार अग्रवाल की अदालत ने इस जघन्य हत्याकांड को गंभीरता से लेते हुए आरोपी पर अर्थदंड भी अधिरोपित किया है।

रात के सन्नाटे में कुल्हाड़ी से किया था शिकार

मामला बुढार थाना क्षेत्र के अपराध क्रमांक 174/2024 से जुड़ा है, जिसने उस वक्त पूरे संभाग को हिलाकर रख दिया था। हैवानियत की हदें पार करते हुए आरोपी गयाप्रसाद ने अपनी ही पत्नी मीतिका पर उस वक्त कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार किए, जब वह अपने मासूम बच्चों के साथ गहरी नींद में सो रही थी। जिस पति को रक्षक होना था, वही भक्षक बन गया। इस खौफनाक मंजर को आरोपी के अपने ही बच्चों ने अपनी आंखों से देखा, जिनकी चीखें आज भी उस काली रात की गवाही देती हैं।

पुलिस की सर्जिकल जांच और अभियोजन की धाक

घटना के बाद बुढ़ार थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने तत्परता दिखाते हुए साक्ष्यों का ऐसा जाल बुना कि हत्यारा उसमें पूरी तरह फंस गया। पुलिस ने न केवल खून से सनी कुल्हाड़ी बरामद की, बल्कि आरोपी के वे कपड़े भी जब्त किए जो उसकी पत्नी के लहू से रंगे थे। वैज्ञानिक जांच की रिपोर्ट ने पुलिस के दावों पर मुहर लगा दी। न्यायालय के भीतर सरकार की ओर से अपर लोक अभियोजक आलोक राय ने पैरवी की ऐसी धार दिखाई कि बचाव पक्ष के पास कोई रास्ता नहीं बचा। प्रत्यक्षदर्शी मासूम बच्चों के बयान और मेडिकल साक्ष्यों ने यह साबित कर दिया कि गयाप्रसाद ने पूरी योजना के साथ इस हत्याकांड को अंजाम दिया था।

न्याय की जीत, हैवानियत की हार

अदालत ने तमाम दलीलों और सबूतों को परखने के बाद माना कि यह अपराध अत्यंत गंभीर और क्रूरतम श्रेणी का है। धारा 302 के तहत सुनाया गया उम्रकैद का यह फैसला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। सामाजिक संगठनों और प्रबुद्ध जनों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा है कि जब रक्षक ही भक्षक बन जाए, तो न्यायालय ही अंतिम उम्मीद होता है। यह फैसला उन लोगों के लिए सबक है जो घरेलू हिंसा और जघन्य अपराधों को अंजाम देते हैं।

24 घंटे में दबोचा धोखेबाज आशिक गिरफ्तार

शहडोल। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र में एक मासूम की आबरू से खिलवाड़ करने वाले आरोपी प्रमोद सिंह उर्फ अंकित को पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। गोहपारू पुलिस ने महज़ 24 घंटे के भीतर आरोपी को दबोच लिया, जो सालों तक हवस मिटाने के बाद अब पीड़िता को जान से मारने की धमकी दे रहा था।

रक्षक बनी पुलिस, भक्षक गया जेल

शिकायत के मुताबिक ग्राम बडवाही निवासी 21 वर्षीय अंकित ने साल 2023 से ही पीड़िता को अपनी चिकनी-चुपड़ी बातों में फंसा रखा था। एक ही जाति के हैं, शादी पक्की है, यह अटूट विश्वास दिलाकर उसने अगस्त 2023 से जनवरी 2026 तक लगातार पीड़िता का शारीरिक शोषण किया। लेकिन जैसे ही पीड़िता ने सात फेरों का दबाव बनाया, अंकित का असली चेहरा सामने आ गया। उसने न केवल शादी से इनकार किया, बल्कि पीड़िता को बदनाम करने और जान से मारने की धमकी तक दे डाली।

24 घंटे में खेल खत्म

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना इंचार्ज सउनि भागचन्द्र चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल जाल बिछाया। बीएनएस की धारा 69 और 351(3) के तहत मामला दर्ज होते ही पुलिस ने दबिश दी और 17 मार्च को आरोपी को धर दबोचा। 18 मार्च को आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश कर कालकोठरी का रास्ता दिखा दिया गया है। इस त्वरित कार्रवाई में सउनि देवेन्द्र सिंह, प्र.आर. दलवीर सिंह और आरक्षक मोनू ने अपराधियों को कड़ा संदेश दिया है कि शहडोल में बेटियों की अस्मत से खेलने वालों की जगह सिर्फ जेल है।

दरिंदों के चंगुल से छुड़ाई गईं दो मासूम बेटियां

देवलोंद और जैतपुर पुलिस की बड़ी कामयाबी

शहडोल। जिले की पुलिस ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अपराधियों के लिए शहडोल में कोई जगह नहीं है। देवलोंद और जैतपुर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो अलग-अलग अपहरण के मामलों में गायब नाबालिग बालिकाओं को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया है। महीनों से दर-दर की ठोकरें खा रहे परिजनों के चेहरों पर पुलिस की इस सर्जिकल स्ट्राइक ने मुस्कान लौटा दी है।

उज्जैन से फिल्मी स्टाइल में रेस्क्यू

देवलोंद थाना क्षेत्र से दिसंबर 2025 में गायब हुई 16 वर्षीय बालिका को पुलिस ने उज्जैन जिले के ग्राम गोडरिया से बरामद किया है। आरोपी नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले गया था, लेकिन थाना प्रभारी सुभाष दुबे की टीम ने हार नहीं मानी। सउनि इन्दलाल पुरी और उनकी टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी कर उज्जैन में दबिश दी और बेटी को सुरक्षित बचा लिया।

जैतपुर पुलिस ने भी दिखाया दम

इसी तरह जैतपुर पुलिस ने नवंबर 2025 से लापता 15 वर्षीय किशोरी को कड़ी मशक्कत के बाद 18 मार्च 2026 को खोज निकाला। महीनों की खाक छानने के बाद पुलिस की सक्रियता ने आरोपी के मंसूबों पर पानी फेर दिया।

इनकी रही भूमिका

देवलोंद से उनि. सुभाष दुबे, सउनि इन्दलाल पुरी, प्र.आर. प्रदीप द्विवेदी, आर. विनोद तिवारी एवं महिला आरक्षक महक कुशवाहा, वहीं जैतपुर से थाना प्रभारी के नेतृत्व में प्र.आर. रावेन्द्र वर्मा एवं म.आर. मालतीतला पटेल की भूमिका रही। पुलिस की इस आक्रामक कार्यप्रणाली की पूरे जिले में सराहना हो रही है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी संजय गांधी ताप परियोजना!

मेंटेनेंस के नाम पर करोड़ों डकारे, यूनिट-1 में भीषण आग से सिस्टम राख

उमरिया। संजय गांधी ताप विद्युत परियोजना बिरसिंहपुर पाली इन दिनों बिजली उत्पादन के लिए कम और भ्रष्टाचार के उत्पादन के लिए ज्यादा चर्चा में है। थर्मल पावर स्टेशन की यूनिट नंबर-1, जिसे 11 महीने की लंबी जद्दोजहद और करोड़ों रुपए फूंकने के बाद दोबारा खड़ा किया गया था, वह चंद महीनों में ही धुआं-धुआं हो गई। टरबाइन जनरेटर में लगी भीषण आग ने न केवल लाखों की सरकारी संपत्ति को राख कर दिया, बल्कि प्रबंधन के उस दावों की भी धज्जियां उड़ा दीं, जिसमें वे बेहतर मेंटेनेंस की कसमें खाते थे।

मेंटेनेंस के नाम पर मैच फिक्सिंग

हैरत की बात यह है कि जिस इकाई का मेंटेनेंस अभी हाल ही में हुआ था, उसमें इतनी बड़ी तकनीकी खराबी और आगजनी कैसे हो गई, सूत्रों की मानें तो इस पूरे खेल के पीछे एक बड़ी साजिश की बू आ रही है। परियोजना में पारंपरिक रूप से भेल (भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड) के उपकरणों का उपयोग होता है, जिसका मेंटेनेंस भी उसी कंपनी से कराया जाना चाहिए था, लेकिन प्रबंधन ने नियमों को ताक पर रखकर जी पावर नामक कंपनी को करोड़ों का ठेका थमा दिया। आरोप है कि गुणवत्ता के मानकों को दरकिनार कर अंधेरे में समझौते किए गए, जिसका खामियाजा आज पूरी परियोजना भुगत रही है।

करोड़ों की चपत और अंधेरे का संकट

शुरुआती आकलन के अनुसार, टरबाइन जनरेटर में लगी आग से परियोजना को करोड़ों रुपयों का आर्थिक फटका लगा है। विडंबना देखिए कि जब प्रदेश को गर्मियों में अतिरिक्त बिजली की सबसे ज्यादा दरकार है, तब यह महत्वपूर्ण इकाई सफेद हाथी साबित हो रही है। यह महज एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सरकारी खजाने पर डकैती और जनता के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। आखिर किसके इशारे पर अनुभवहीन कंपनियों को मेंटेनेंस का काम सौंपा गया।

जांच की आंच से कब सुलगेगा सच

घटना के बाद तकनीकी टीमें मौके पर जरूर तैनात हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या जांच सिर्फ कागजों की खानापूर्ति तक सीमित रहेगी, परियोजना के भीतर से ही आवाजें उठने लगी हैं कि घटिया कलपुर्जों और गुणवत्ताहीन कार्य की वजह से ही यह हादसा हुआ है। संजय गांधी ताप परियोजना का यह अग्नि कांड कह रहा है कि यहां मशीनें नहीं, बल्कि ईमानदारी खराब हो चुकी है। अगर समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह परियोजना पूरी तरह से कबाड़ में तब्दील हो जाएगी।

भारतीय स्टेट बैंक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, क्षेत्र-3, एस.बी.आई. मुख्य शाखा शहडोल के ऊपर, पाण्डव नगर, पुराना राजेन्द्र टाकीज के पास, शहडोल, पिन-484001
Regional Business Office, Region-3, Above Main Branch Shahdol, Pandav Nagar, Near Old Rajendra Talkies, Shahdol-(M.P.) 484001
दूरभाष क्र. /Phone No. 07652-350012, ईमेल/email-rm.rboshahdol@sbi.co.in

एसबीआई क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, क्षेत्र-3, शहडोल की निम्नलिखित शाखाओं के लिए भूतल पर व्यावसायिक परिसर की आवश्यकता

क्र.	शाखा का नाम	क्षेत्र जहां परिसर की आवश्यकता है।	अनुमानित कारपेट क्षेत्रफल (Sq.Ft.)
1.	मार्केट एरिया शाखा जिला शहडोल	वर्तमान शाखा से 500 मी. से 1 किमी. के अंदर	3000-4000

(1) भवन में बिजली, पानी की सुविधा 24 घंटे होनी चाहिए। (2) भवन व्यवसायिक स्थल पर अच्छी लोकेशन पर स्थित हो, भूतल पर एवं मुख्य मार्ग पर स्थित भवन को प्राथमिकता । (3) भवन के अधिकार से संबंधित स्वत्व विलेख (टायटल डीड) क्लीयर हो। (4) भवन को प्रारम्भ में कम से कम 10 वर्षो हेतु किराये पर देने तत्पश्चात प्रत्येक 5 वर्षो के लिए नवीनीकरण हेतु सहमति । (5) भवन में विद्युत का 30-70 KW लोड (क्षेत्रफल अनुसार) 3 फेस कनेक्शन, भवन स्वामी को स्वयं के व्यय पर उपलब्ध कराना होगा। (6) भवन के व्यवसायिक कार्य हेतु किराये पर देने की सभी वैधानिक / शासकीय अनुमति प्राप्त होनी चाहिए। (7) भवन/परिसर में बैंक की आवश्यकता अनुसार एवं मापदंडो द्वारा (सिविल/विद्युत) निर्माण / सुधार कार्य करवाने होगें। (8) भवन के साथ समुचित पार्किंग (कवर्ड/ओपन) होना आवश्यक है। (9) उक्त बिन्दुओं को ध्यान में रखकर निविदा पत्र (तकनीकी एवं मूल्य बोली) बैंक वेबसाइट www.sbi.co.in की लिंक "procurement news" से डाउनलोड कर उन्हें दो अलग-अलग लिफाफे में रखकर, दोनों लिफाफो को सीलकर एक बड़े लिफाफे में रखकर दिनांक 19/03/2026 से 02/04/2026 दोपहर 3.00 बजे तक **एस.बी.आई. क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय, क्षेत्र-3, एस.बी.आई. मुख्य शाखा शहडोल के ऊपर, पाण्डव नगर पुराना राजेन्द्र टाकीज के पास, शहडोल (म.प्र.) पिन-484001** में जमा कर सकते हैं। प्रस्ताव के लिफाफे पर स्पष्ट रूप से संबंधित शाखा भवन हेतु प्रस्ताव एवं जमा करने वाले का नाम, पता, मोबाइल नम्बर लिखा होना चाहिए।
नोट- बैंक को सभी या किसी भी प्रस्ताव को बिना कोई कारण बताये निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।
क्षेत्रीय प्रबंधक, RBO-III शहडोल

की उपस्थिति के लिए नोटिस
(अन्तर्गत आदेश 5 नियम 20 व्य. प. सं.)
न्यायालय : न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, रायगढ़ (छ.ग.)
प्रकरण क्र- अपंजीकृत
सुनवाई दिनांक...06.04.2026
प्रोसेस क्रमांक... 152
सुरेन्द्र नाथ शर्मा पिता स्व. विश्वनाथ शर्मा : उम्र लगभग 30 वर्ष पेशा-नौकरी, निवासी-मकान नम्बर-153, श्याम मार्ग, कृष्ण वाटिका कालोनी, बोईरदादर चौक रायगढ़ तह व जिला रायगढ़ **आवेदक बनाम** श्रीमती संस्कृति शर्मा पति सुरेन्द्रनाथ शर्मा, उम्र लगभग 23 वर्ष पेशा-गृहणी, हाल मुकाम-आंगनबाड़ी रोड रीवा होटल के सामने, एल, आई.सी. बिल्डिंग के बाजूवाली रोड से अंदर, हाऊसिंग बोर्ड कालोनी शहडोल म.प्र.484001 ...**अनावेदिका**
उपरोक्त आवेदक ने इस न्यायालय के समक्ष आवेदन पत्र धारा 05 परिसीमा अधिनियम प्रस्तुत किया गया है।
इस सूचना द्वारा उक्त श्रीमती संस्कृति शर्मा पति सुरेन्द्र नाथ शर्मा, उम्र 23 वर्ष गृहणी हाल मुकाम-आंगनबाड़ी रोड़ रीवा, होटल के सामने एल.आई.सी. बिल्डिंग के बाजू वाली रोड से अंदर हाऊसिंग बोर्ड कालोनी शहडोल म.प्र .को सूचित किया जाता है कि आप इस न्यायालय में दिनांक 06.04.2026 को समय ठीक 11:00 बजे उपस्थित होकर अपना जवाब पेश करें। यदि आप दिये गये समय पर उपस्थित नहीं होते हैं, तो प्रकरण में आपकी अनुपस्थिति में सुनवाई किया जाकर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। यदि उक्त तिथि को अवकाश घोषित हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हो तो सुनवाई अगले कार्यदिवस पर किया जावेगा। आज दिनांक 17.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।
सील
प्रबोध टोप्पो
न्यायाधीश
परिवार न्यायालय रायगढ़ (छ.ग.)

खबर संक्षेप

शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

उमरिया। कलेक्टर व्दारा शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए गए है। निर्देश के परिपालन में ग्राम कछरवार की पोखर मद की भूमि अ क 531 रकबा 0.3440हे0 के संपूर्ण रकबे में बिहारी राय पिता गणेश राय व संतोश राय पिता बिहारी राय व्दारा अतिक्रमण कर गेहूं फसल बोकर अतिक्रमण किया गया जिसे बेदखल करते हुए सरपंच ग्राम पंचायत कछरवार एवं ग्राम सचिव कछरवार को सौंपा गया । इस अवसर पर तहसीलदार बांधवगढ दिलीप सोनी ,राजस्व निरीक्षक हल्का पटवारी ग्राम कोटवार सहित ग्रामीणजन व अतिक्रमक उपस्थित रहे ।

विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ अवसर पर सूर्य उपासना का आयोजित होगा कार्यक्रम

उमरिया। सृष्टि आरंभ दिवस,वर्ष प्रतिपदा,विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ अवसर पर 19 मार्च 2026 को पूर्वान्ह प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों में सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।उक्त आयोजन अंतर्गत पूर्व परम्परा से श्रीमहाकालेश्वर मंदिर,उज्जैन के शिखर पर समय-समय पर स्थापित किये जाने वाले ब्रम्हध्वज को प्रमुख मंदिरों एवं स्थलों पर स्थापित कर नाट्य प्रस्तुत्ति सम्राट विक्रमादित्य का मंचन किया जाना है।

उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग ने बताया कि 19 मार्च 2026 को प्रातः 10 बजे सूर्य उपासना कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसके अंतर्गत नाट्य प्रस्तुति सम्राट विक्रमादित्य का मंचन किया जायेगा। संस्कृति विभाग अंतर्गत मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल द्वारा सभी जिला मुख्यालयों में सम्राट विक्रमादित्य नाट्य मंचन के लिए नाट्यकला दल भेजे गए हैं। जिले के प्रमुख मंदिरों एवं स्थलों पर ब्रम्हध्वज स्थापित किए जाएंगे। संस्कृति विभाग अंतर्गत महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के माध्यम से इस हेतु ब्रम्हध्वज उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु जिला मुख्यालय के नगरीय निकाय एवं अन्य विभागों द्वारा समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु अधिक से अधिक संख्या में युवाओं,विद्यार्थियों की भागीदारी के साथ ही प्रबुद्ध गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों आदि की उपस्थिति भी सुनिश्चित की जाएगी।

बाघों की दहाड़ पर भारी भ्रष्टाचार की चीख

...तो मराठा शासन में गाइड-ड्राइवर का होगा अंत?

उमरिया। विख्यात बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, जिसकी पहचान कभी उसकी प्राकृतिक सुंदरता और बाघों के कुनबे से थी, आज भ्रष्टाचार और खौफ की प्रयोगशाला बन चुका है। वन विभाग के कुछ रसूखदारों की कथित तानाशाही ने पार्क के उन असली पहरेदारों की कमर तोड़ दी है, जो रात-दिन अपनी जान जोखिम में डालकर पर्यटकों को जंगल की सैर कराते हैं। आलम यह है कि जो गाइड और ड्राइवर कल तक बाघों के पंजों से नहीं डरे, आज वे सिस्टम के शिकारियों से खौफजदा हैं।

'जो बोलेगा, वो मिटा दिया जाएगा'

स्थानीय सूत्रों का दावा है कि बांधवगढ़ में इन दिनों अघोषित आपातकाल जैसे हालात हैं। आरोप है कि जिन गाइडों और ड्राइवरों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद की, जिन्होंने नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले वीडियो सार्वजनिक किए या उच्च न्यायालय की शरण ली, उन्हें चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है। पार्क प्रबंधन अब संरक्षण के बजाय प्रतिशोध की नीति पर चल रहा है। मामूली बातों पर कारण बताओ नोटिस देना, लाइसेंस रद्द करने की धमकी देना और जांच के नाम पर मानसिक प्रताडऩा देना अब यहाँ का नया दस्तूर बन गया है।

चर्चाओं के केंद्र में मास्टर माइंड

ताला क्षेत्र की गलियों से लेकर वन विभाग के गलियारों तक, सबसे ज्यादा उंगलियां पर्यटन विभाग के एसडीओ दिलीप कुमार मराठा पर उठ रही हैं। स्थानीय लोगों और शिकायतकर्ताओं का सीधा आरोप है कि पूरा दबाव तंत्र उन्हीं के इशारों पर संचालित हो रहा है। चर्चा है कि विरोध की हर आवाज को दबाने के लिए एक सुनियोजित रणनीति के तहत कार्रवाई की जा रही है। सबसे सनसनीखेज मामला एक डिप्टी रेंजर का सामने आया है, जिसने कथित तौर पर इसी तंत्र की प्रताडऩा से तंग आकर व्हाट्सएप ग्रुप पर सुसाइड नोट लिख डाला और आत्महत्या का प्रयास किया। हालांकि विभाग इन बातों को दबाने की कोशिश कर रहा है, लेकिन सवाल उठता है कि आखिर सिस्टम में इतना जहर किसने घोला कि एक अधिकारी को मौत को गले लगाने जैसा कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा।

पंजीयन के खेल से रोज़ी-रोटी पर वार

विवाद की जड़ में गाइड पंजीयन का वह कथित खेल है, जिसने सैकड़ों स्थानीय परिवारों के भविष्य को अधर में लटका दिया है। गाइडों का आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर चहेतों को उपकृत किया गया और जब स्थानीय लोगों ने अपने हक की बात की, तो उन पर जुल्म के कोड़े बरसाए जाने लगे। हमें जंगल के जानवरों से डर नहीं लगता, लेकिन साहबों की कलम से डर लगने लगा है। वे एक झटके में हमारा चूल्हा बुझाने पर आमादा हैं।

कोर्ट में लड़ाई, जमीन पर तनाव

मामला पहले ही माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है, लेकिन जमीन पर स्थिति विस्फोटक बनी हुई है। कोर्ट की कार्यवाही के बीच इस तरह की दमनकारी कार्रवाई न केवल न्यायिक प्रक्रिया का अपमान है, बल्कि प्रशासनिक निष्पक्षता पर भी एक काला धब्बा है। क्या प्रशासन को कानून पर भरोसा नहीं है, जो वे डराने-धमकाने का रास्ता अख्तियार कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री से आखिरी उम्मीद

अब बांधवगढ़ के स्थानीय निवासियों ने प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखा है। समाचार पत्रों के माध्यम से यह गुहार लगाई गई है कि पूरे प्रकरण की किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। यदि एसडीओ और उनके सहयोगियों पर लगे आरोप सही पाए जाते हैं, तो उन्हें तत्काल सेवा से पृथक किया जाए। जो लोग भ्रष्टाचार के विरुद्ध खड़े हुए हैं, उनकी रोज़ी-रोटी और सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

क्या यही है ईको-टूरिज्म

बांधवगढ़ सिर्फ मध्य प्रदेश की नहीं, बल्कि भारत की अंतरराष्ट्रीय साख का हिस्सा है। अगर स्थानीय समुदाय का भरोसा सिस्टम से उठ गया, तो वन्यजीव संरक्षण का पूरा ढांचा ढह जाएगा। सवाल यह है कि क्या सरकार चंद अधिकारियों को बचाने के लिए सैकड़ों परिवारों की बलि चढ़ा देगी या फिर बांधवगढ़ को इस जंगलराज से मुक्ति मिलेगी।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु बैठक संपन्न

आज से जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

उमरिया। जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है। इसे बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। हम हर गांव, हर शहर और हर नागरिक को जल संरक्षण के कार्यों से जोडऩा चाहते हैं। समाज और सरकार जब साथ मिलकर काम करेंगे, तो जिला समृद्धि की दिशा में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। उक्त आशय के विचार कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने जिला पंचायत उमरिया में 19 मार्च से प्रारंभ हो रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के सफल संचालन हेतु आयोजित बैठक में व्यक्त किए । उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से प्रारंभ होगा जो 30 जून तक चलेगा। अभियान के तहत दौरान प्रत्येक नगरीय निकाय एवं प्रत्येक ग्राम पंचायत में जन समुदाय की उपस्थिति में जल संरक्षण व संवर्धन के एक कार्य को यथा संभव प्रारंभ किया जाएगा । जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान में 17 विभागों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिन विभागो व्दारा कार्य किए जाने है, वे कार्य को पूरी प्राथमिकता के साथ करें । अभियान में आम जनों को भी जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि बोरी बंधान के माध्यम से भी जल की एक एक बूंद को संरक्षित करने का प्रयास किया जाए तभी अभियान की सार्थकता सिद्ध होगी।उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी जल दूतों का पंजीयन किया जाए तथा पूर्व में बने जल दूतों का सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से गांव-गांव में लोगों को यह समझाया जाएगा कि वर्षा जल का संरक्षण,भूजल का पुनर्भरण और जल स्त्रोतों का संरक्षण जीवन और विकास दोनों के लिए अनिवार्य है।उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के अंदर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जाने वाले कार्यों की सूची उपलब्ध कराएं। इसी तरह नदियों,तालाबों के आस पास हुए अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए उसे हटाने की कार्यवाही की जाए। उन्होने कहा कि अभियान के दौरान नवाचारों के माध्ययम से भी जल को संरक्षित करने का प्रयास किया जाए । सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने बताया कि जिला स्तर पर कलेक्टर उमरिया तथा विकासखंड स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी नोडल अधिकारी होंगे।उन्होंने अभियान के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग व्दारा खेत तालाब,अमृत सरोवर,डगवेल रिचार्ज,वाटर शेड विकास 2.0 अंतर्गत जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यों का क्रियान्वयन करना,मनरेगा अंतर्गत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटरशेड 1.0 की परियोजनाओ में निर्मित किए गए चेक डेम तथा स्टाप डेम की मरम्मत नवीनीकरण करना,प्राचीन एवं परंपरागत जल संग्रहण संरचनाओ की मरम्मत,नवीनीकरण करना, नगरीय विकास विभाग व्दारा अमृत 2.0 जल संग्रहण संरचनाओ का जीर्णोध्दार, नगरीय निकायों में एसबीएम 2.0 अंतर्गत नालो के शोधन की कार्य योजना तैयार कर क्रियान्वयन प्रारंभ करना, पेयजल सुविधा हेतु जन सहयोग हेतु सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था करने के साथ ही वन विभाग,जल संसाधन विभाग एवं नर्मदा घाटी विकास,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग,उद्यानिकी विभाग,किसान कल्याण एवं कृषि विभाग,औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग,पर्यावरण विभाग, स्कूल एवं उच्च शिक्षा विभाग, राजस्व विभाग,जन अभियान परिषद के साथ अन्य विभागों व्दारा अभियान के दौरान कार्य किए जाएंगे । इस अवसर पर वनमंडलाधिकारी विवेक सिंह,डिप्टी कलेक्टर एवं सीईओ जनपद पंचायत मानपुर प्रत्युष श्रीवास्तव सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

त्रैमासिक प्रस्फुटन समितियों का प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में नवांकुर संस्था जया सेवा समिति द्वारा प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के तहत दीपप्रज्वलन के बाद ग्राम गंजरहा में प्रस्फुटन समितियों का त्रैमासिक क्षमतावर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया । संभाग समन्वयक भीम सिंह एवं जिला समन्वयक रविंद्र शुक्ला एवं ब्लाक समन्वयक महेंद्र सिंह और सभी प्रस्फुटन समितियो के सदस्यों को प्रकृति प्रेरणा फाउंडेशन के गौशाला का अवलोकन कराया गया।प्रथम सत्र में ठाकुर राम साहू जन अभियान का परिचय , द्वितीय सत्र नवांकुर संस्था अध्यक्ष देव प्रकाश गौतम व्दारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं , तृतीय सत्र समाज सेवी कमलेश गौतम द्वारा वृक्षों का मानव जीवन मे महत्वपूर्ण , चतुर्थ सत्र प्रकृति प्रेरणा फाउंडेशन , पवन कुमार द्वारा जैविक कृषि , पंचम सत्र में जिला समन्वयक रविंद्र शुक्ला द्वारा सभी समितियो को कैशबुक के बारे में बताया गया । इसी तरह छटवें सत्र में संभाग समन्वयक भीम सिंह द्वारा सभी समिति को जमीनी स्तर में उतर कर काम करना होगा और सभी को समय समय मे समाज के साथ मिलकर गाँवो की समस्याओं को हल करें समाज के सहयोग से ही सब सम्भव हो सकता है । अंतिम सत्र में लघु फिल्म दिखाई गई जिसमें बंजर भूमि से उपजाऊ भूमि कैसे बनाए और पशुपालन के क्षेत्र में कैसे काम करे प्रमाण पत्र वितरित किये गए ।

आज से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत

कोतमा। आज से नवरात्रि का आरंभ होने के साथ ही नवसंवत्सर की शुरुआत होगी। इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी। ऐसा माना जाता है कि यह रूप भक्तों की सभी इच्छाएं पूरी करता है। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन कई शुभ योग बन रहे हैं और इस वक्त घटस्थापना बहुत शुभ फल देने वाली मानी जा रही है। मां दुर्गा की कृपा से भक्तों के सभी कार्य बिना किसी रुकावट के पूर्ण होंगे। चैत्र नवरात्रि के पहले दिन से ही हिंदू नववर्ष का आरंभ माना जाता है। चैत्र नवरात्रि पर्व को लेकर नगर के मंदिरों मढ़ियों एवं चौरा में मंदिर समितियां के द्वारा तैयारी भी पूरी कर ली गई है मंदिरों के रंग रोगन का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। मंदिरों को जगमग झालर की रोशनी से सजाया गया है। नगर के ठाकुर बाबा धाम, पंचायती मंदिर, शारदा काली मंदिर, बूढी दाई मंदिर, धर्मशाला मंदिर, गोहंड्रा स्थित काली मंदिर, गोविंद कॉलोनी दुर्गा मंदिर, लहसुई कैंप संतोषी मंदिर में तैयारी पूर्ण कर लिया गया है। पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि चैत्र नवरात्रि में कलश स्थापना 19 मार्च को होगी। इस बार मां जगदंबे की पूजा शुभ मुहूर्त मे करने के योग में होगी। पंडित अमन पाण्डेय ने बताया कि इस बार चैत्र नवरात्रि गुरुवार से शुरू हो रही है, इसलिए मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर धरती पर आएंगी। ज्योतिष में यह बहुत शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इससे लोगों के धन में बढ़ोतरी होगी और देश की अर्थव्यवस्था अच्छी होगी। मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आएंगी और 26 मार्च को हाथी पर सवार होकर ही वापस जाएंगी।

मां दुर्गता मंदिर पसान में नव वर्ष से प्रारंभ होगा श्री राम कथा व सत चंडी महायज्ञ

भालूमाड़ा। हिंदू नव वर्ष के प्रारंभ में नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 8 पसान में मां दुर्गता मंदिर प्रांगण में 19 मार्च रामनवमी के शुभ अवसर पर श्रीमद् वाल्मीकि रामायण कथा एवं सतचंडी महायज्ञ चित्रकूट परमधाम के अंतरराष्ट्रीय कथा व्यास राजीव लोचन शास्त्री की मधुर वाणी से संगीतमई श्री राम कथा का गायन होना है उक्त कार्यक्रम का प्रारंभ 19 मार्च को प्रातः 10:00 बजे से कलश यात्रा मंगल प्रवेश मंगलाचरण एवं नाम महिमा, द्वितीय दिवस सती चरित्र शिव विवाह, तृतीय दिवस नारद मोह श्री राम जन्म महोत्सव, चतुर्थ दिवस बाल लीला अहिल्या उद्धार जनकपुर दर्शन, पंचम दिवस पुष्प वाटिका प्रसंग सीता राम विवाह, षस्टम दिवस श्री राम वन गमन एवं केवट प्रसंग, सप्तम दिवस भरत चरित्र, अष्टम दिवस शबरी आदि भक्तों की कलाएं एवं श्री हनुमान चरित्र, नवम दिवस श्री हनुमान जी द्वारा सीता जी की खोज रावण वध एवं श्री राम राज्याभिषेक, अंतिम दिवस यज्ञ समापन हवन पूर्णाहोती एवं भव्य भंडारा। उक्त 9 दिन चलने वाले भक्तिमय आयोजन में श्री राम कथा व सतचंडी महायज्ञ के यज्ञाचार अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता राजीव लोचन शास्त्री के द्वारा संपन्न होना है। मूल पाठ एवं सत चंडी महायज्ञ का समय प्रातः 7:00 से दोपहर 2:00 बजे तक एवं श्री राम कथा का कथा वाचन एवं संगीतमय भजन शाम 3:00 बजे से शाम 7:00 तक होना है इस पूरे आयोजन में पसान वार्ड क्रमांक 8 निवासी यजमान रामस्वरूप मिश्रा, श्रीमती कांति मिश्रा, मोतीलाल मिश्रा, श्रीमती शकुंतला मिश्रा, सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, श्रीमती सोमवती मिश्रा, राजेंद्र मिश्रा, श्रीमती कुसुम मिश्रा, सतीश मिश्रा, श्रीमती ममता मिश्रा, उमेश मिश्रा, श्रीमती सरिता मिश्रा, संजू मिश्रा, श्रीमती विमला मिश्रा के द्वारा संपूर्ण आयोजन किया जा रहा है इनके द्वारा नगर के समस्त श्रद्धालुओं से आग्रह किया गया है कि इस भक्तिमय आयोजन में पहुंचकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

संपूर्णता अभियान 2.0 अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ कल

उमरिया। नीति आयोग भारत सरकार नई दिल्ली के अनुसार आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम अंतर्गत संपूर्णता अभियान 2.0 कार्यक्रम का शुभारंभ 20 मार्च को प्रातः 11 बजे से स्टेडियम मानपुर में आयोजित किया गया है। आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम अंतर्गत निर्धारित तीन विभागों के 6 संकेतको को शत प्रतिशत पूर्ण किया जाना है जिसमें आईसीडीएस कार्यक्रम के तहत नियमित रूप से पूरक पोषण लेने वाले 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों का प्रतिशत, रिपोर्टिंग माह के दौरान आंगनबाडी केंद्रों पर नामांकित बच्चों की दक्षता मापना, क्रियाशील शौचालयों के साथ क्रियाशील आंगनवाड़ी केंद्रो का प्रतिशत, पेयजल सुविधाओं के साथ क्रियाशील आंगनबाडी केंद्रो का प्रतिशत,स्कूलों की कुल संख्या के मुकाबले लड़कियों के लिए शौचालयों की संख्या वाले विद्यालयों का प्रतिशत, गोजातीय टीकाकरण से टीकाकृत पशुओ का प्रतिशत शामिल है।

पर्व बीतने के साथ ही भुला दिया जाता है दो सदी पुरानी मंदिर को

नही है सड़क, मंदिर जाने मे श्रद्धालुओं को होती है परेशानी

कोतमा। पुरातात्विक संपदा एवं प्राकृतिक जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए पिछले वर्ष अभियान चलाया गया था। प्राचीन धरोहरों को सुरक्षित करने के साथ-साथ इनका प्रचार प्रसार आमजन के बीच करने का कार्य किया गया था। वही प्राकृतिक जल स्त्रोतों की सफाई के लिए भी प्रयास किए गए, कोतमा नगर के समीप ऐसा ही एक प्राचीन मंदिर स्थापित है जिसके दो सदी पुराने होने के दावे किए जा रहे हैं। मंदिर और उससे लगा तालाब देखरेख के अभाव में अव्यवस्था का शिकार होता जा रहा है। शारदेय एवं चैत्र नवरात्र में जब श्रद्धालुओं की भीड़ इस मंदिर में लगती है तब मंदिर के जीर्णोद्धार और तालाब की सफाई के संबंध में कार्य कराए जाने की बात कही जाती है। जैसे ही पर्व समाप्त होता है इस मंदिर की सुध भुला दिया जाता है। बीते एक दशक से यह सिलसिला लगातार चलता आ रहा है।

मामला कोतमा नगर के समीप का

कोतमा नगर से सटे गोहंड्रा गांव में 200 साल पुरानी प्राचीन माता काली की चतुर्भुजी प्रतिमा मंदिर में स्थापित है, वही मंदिर परिसर में कई ऐसी प्रतिमाएं हैं जो खुदाई के दौरान खंडित हो गई थी। मंदिर के पीछे ही 200 साल पुराना तालाब भी है जो देखरेख के अभाव में गंदगी से भरा पड़ा हुआ है वहीं मंदिर के बाहर एक छोटा सा कुआ भी है जिसमें 12 माह पानी भरा रहता है लेकिन देखरेख के अभाव में सुंदरता पर ग्रहण लग गया है।

उपेक्षा का शिकार

आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में किंवदंती है कि काली माता की प्रतिमा तालाब की खुदाई के दौरान मिली थी। वह तालाब आज भी उपेक्षा का शिकार हो रहा है तालाब गंदगी से भरा पड़ा है मंदिर परिसर में निवास करने वाली देवबती ने बताया कि लगभग 200 वर्ष पूर्व उसके पूर्वजों को सपना आया था जिसके बाद यहां की खुदाई कराई गई थी। वर्तमान में इस तालाब में गंदगी भरी पड़ी है, सफाई नहीं होने से जलकुंभी भी फैल गई है।

कुएं में रस्सी की जरूरत नहीं

मंदिर के समीप ही एक प्राचीन कुआ भी मौजूद है, जिसमें वर्ष भर पानी उपलब्ध रहता है। नवरात्रि एवं अन्य दिनों के समय कुएं से पानी निकालने के लिए रस्सी की भी आवश्यकता नहीं पड़ती, श्रद्धालु अपने हाथ से ही लोटे को डुबाकर पानी निकाल लेते हैं। चतुर्भुजी काली माता मंदिर में दर्शनों के लिए 12 माह महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है। देखरेख के अभाव में मंदिर और तालाब अव्यवस्था का शिकार होता जा रहा है वही मंदिर तक पहुंच मार्ग नहीं होने की वजह से भी लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। नगर पालिका के द्वारा सड़क का निर्माण कराया गया है किंतु वह भी आधा अधूरा है। लगभग 500 मीटर की दूरी खेत के मेढ से होकर श्रद्धालु मंदिर तक पहुंचते है।

आश्वासन तक सिमटा

काली मंदिर तक कच्ची सड़क होने के कारण सबसे

नहीं हो पाई तालाब की गंदगी साफ, पहुंच मार्ग भी अधूरा

ज्यादा परेशानी श्रद्धालुओं को बारिश के दिनों मे होती है जब ऊबड़-खाबड़ कच्ची सड़क मे बारिश का पानी भरा रहता है तब श्रद्धालुओं को रास्ते की तलाश करने मे परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्राम पंचायत गोहंड्रा के सरपंच एवं नगर पालिका कोतमा के अधिकारियों के द्वारा मात्र आश्वासन देकर सड़क बनवाये जाने की बात भूला दिया जाता है।

सड़क निर्माण के लिए दिया पत्र

ग्राम पंचायत गोहंड्रा के सरपंच सूरज अगरिया का कहना है कि काली मंदिर काफी प्राचीन एवं सिद्ध मंदिर है और आसपास के क्षेत्र के साथ ही कोतमा नगर के लोगों की आस्था जुड़ी है। लेकिन सड़क नहीं होने के कारण श्रद्धालुओं को मंदिर तक जाने मे परेशानी होती है जिसको देखते हुए ग्राम पंचायत के द्वारा कोतमा क्षेत्र के विधायक एवं मंत्री दिलीप जायसवाल को पिछले साल मई जून माह में पत्र दिया गया है लेकिन अभी तक कोई जानकारी नही मिली है।

फिर आ रहा पर्व

आज से चैत्र नवरात्रि का पर्व शुरू हो जायेगा और श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर मे माता के दर्शनों के लिए जुटनी शुरू हो जाएगी लेकिन फिर लोगों को कच्चे रास्ते का ही सहारा लेते हुए मंदिर तक जाना पड़ेगा। मंदिर परिसर में भी फर्श के साथ चबूतरों मे लगे टाइल्स भी टूट गये हैं उसके मरम्मत एवं रंगाई पुताई की ओर भी न तो ग्राम पंचायत ना ही नगर पालिका के जिम्मेदारों के द्वारा पहल की जा रही है।

खबर संक्षेप

एसडीएम व कॉलेज के नवीन भवन निर्माण से नागरिक व विद्यार्थियों को मिलेगी सुविधा- बिसाहूलाल सिंह

अनूपपुर। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं विधायक अनूपपुर बिसाहूलाल लाल सिंह ने कहा है कि अनूपपुर जिला मुख्यालय के नवीन संयुक्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय भवन का निर्माण कार्य तथा प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर के नवीन भवन निर्माण एवं उन्नयन कार्य का भूमि पूजन से जहां एक और नागरिक लाभान्वित होंगे वहीं विद्यार्थियों को भी लाभ प्राप्त होगा। विधायक अनूपपुर बिसाहूलाल लाल सिंह तहसील परिसर अनूपपुर प्रांगण में आयोजित नवीन संयुक्त अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय भवन के निर्माण कार्य लागत 1265.93 लाख तथा प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय तुलसी महाविद्यालय के नवीन भवन निर्माण उन्नयन कार्य लागत 951.96 लाख के भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति रमेश सिंह, कलेक्टर हर्षल पंचोली, नगर पालिका अनूपपुर की अध्यक्ष श्रीमती अंजुलिका सिंह, उपाध्यक्ष श्रीमती सोनाली तिवारी, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह परिहार, अनुविभागीय दंडाधिकारी अनूपपुर कमलेश पुरी, पी एम श्री तुलसी महाविद्यालय के प्राचार्य अनिल कुमार सक्सेना, विंध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष रामदास पुरी, जितेंद्र सोनी, सिद्धार्थ शिव सिंह, शिवरतन वर्मा, अनिल पटेल, सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण, वरिष्ठ नागरिक, अधिवक्ता, महाविद्यालय के विद्यार्थी तथा शासकीय सेवक एवं इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकार उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक बिसाहूलाल सिंह ने कहा कि नवीन संयुक्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय तथा प्रधानमंत्री एक्सीलेंस तुलसी महाविद्यालय के भवन संबंधी मांग बहुप्रतीक्षित थी जिसे स्वीकृति प्रदान की गई है जिसके लिए उन्होंने सरकार का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूर्ण किया जाए जिससे जनता को लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि नागरिक सुविधाओं के लिए बेहतर से बेहतर कार्य करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने नवीन संयुक्त अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय तथा पीएम एक्सीलेंस शासकीय तुलसी महाविद्यालय के भवन निर्माण कार्य की उपलब्धि की बधाई देते हुए कहा कि अनूपपुर जिले में पिछले 1 वर्ष में अनेक नागरिक सुविधाओं के कार्य करोड़ो की लागत के किए गए हैं ।उन्होंने इस अवसर पर राजस्व अमले को अपने सभी लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया उन्होंने कहा कि राजस्व अमला जनता की सभी राजस्व संबंधी लंबित शिकायतों का निराकरण 1 वर्ष के भीतर कर लंबित प्रकरणों की स्थिति को शून्य करें। भूमि पूजन कार्यक्रम के अवसर पर कार्यक्रम में भवन विकास निगम के उप महाप्रबंधक ने नवीन संयुक्त अनुभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय अनूपपुर तथा प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस तुलसी महाविद्यालय के नवीन भवन निर्माण उन्नयन कार्य के संबंध में विस्तार से परियोजना प्रस्तावना की जानकारी दी।

9 दिनों तक गूंजेगा भक्ति और आस्था का माहौल

आज से चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ

मंदिर समितियां जोर-शोर से तैयारियों में जुटीं, कलश स्थापना से लेकर कन्या पूजन तक होंगे भव्य धार्मिक अनुष्ठान

आस्था, श्रद्धा और शक्ति की उपासना का पावन पर्व चैत्र नवरात्रि 19 मार्च से प्रारंभ हो रहा है। नौ दिनों तक चलने वाले इस महापर्व को लेकर नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में धार्मिक माहौल बन चुका है। मां ज्वालामुखी मंदिर, मां काली मंदिर विलियस नंबर-1, मां खेर माता मंदिर सहित सभी प्रमुख देवी मंदिरों में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं।

धनपुरी।

मंदिर समितियां पूरे उत्साह और समर्पण के साथ व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटी हुई हैं।कलश

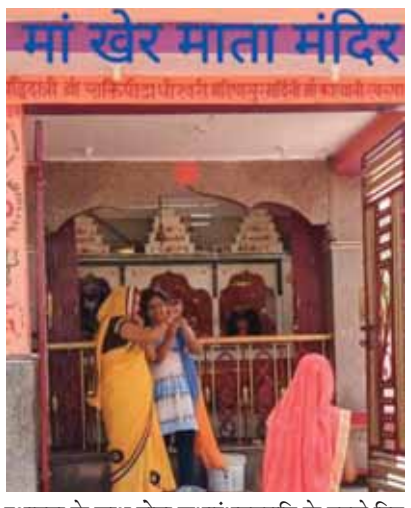

स्थापना के साथ होगा शुभारंभनवरात्रि के पहले दिन शुभ मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश स्थापना एवं जवारा बोने की परंपरा निभाई जाएगी। इसके साथ ही नौ दिनों तक मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। मंदिरों में प्रतिदिन दुर्गा सप्तशती पाठ, भजन-कीर्तन, जागरण और विशेष आरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। समिति सदस्य सेवा में जुटेमंदिर समितियों के सदस्य दिन-रात तैयारियों में लगे हुए हैं। मंदिर परिसरों में साफ-सफाई, रंग-रोगन, आकर्षक सजावट, विद्युत प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और श्रद्धालुओं के बैठने की समुचित व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।समिति सदस्यों में महेंद्र सिंह पवार, आकाश मिश्रा,का कहना है कि हर वर्ष की तरह इस बार भी नवरात्रि पर्व को भव्य और दिव्य बनाने का प्रयास किया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगमता को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जा रहे हैं।प्रमुख मंदिरों में विशेष आकर्षणनगर के सिद्धपीठ मां ज्वालामुखी मंदिर और प्राचीन मां काली मंदिर में विशेष रूप से आकर्षक सजावट की जा रही है। यहां दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। नवरात्रि के दौरान इन मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। नगर पालिका से सहयोग की अपेक्षासमिति सदस्यों ने नगर पालिका से मंदिरों तक पहुंच मार्गों की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की मांग की है, ताकि नंगे पैर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। अष्टमी-नवमी पर विशेष आयोजननवरात्रि के आठवें और नौवें दिन अष्टमी और नवमी पर विशेष हवन, पूजन और कन्या भोज का आयोजन किया जाएगा। इन दिनों श्रद्धालुओं की संख्या में और अधिक वृद्धि होती है, जिसे देखते हुए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। भक्ति में डूबेगा पूरा शहरनवरात्रि के दौरान सुबह से लेकर देर रात तक मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहेगा। माता रानी के जयकारों और भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहेगा। कुल मिलाकर, 19 मार्च से शुरू हो रहा चैत्र नवरात्रि पर्व धनपुरी क्षेत्र में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगा, जहां हर कोई मां की आराधना में लीन नजर आएगा।

सांदीपनि विद्यालय मऊ से राष्ट्रीय मेरिट कम मींस NMMS में चयनित छात्रों का किया गया सम्मान

ब्योहारी

संचालक राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के पत्र के भोपाल के अनुसार राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति योजनांतर्गत परीक्षा में सांदीपनि उच्च माध्य विद्या मऊ जिला शहडोल से 5 छात्रों का चयन हुआ जिसमें प्रखर सोनी पिता धर्मेंद्र सोनी प्रसन्न सोनी पिता रोहणी प्रसाद , प्रकाश कोरी पिता शंभू कोरी, दीक्षा नट पिता अर्जुन नट, पूनम खैरवार पिता नरेंद्र खैरवार सभी चयनित छात्रों को उनके अभिभावकों व विद्यालय में उपस्थित छात्रों के समक्ष प्राचार्य के द्वारा समारोह पूर्वक सम्मानित किया गया जिससे छात्रों में प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने हेतु निश्चित रूप से प्रेरणा मिलेगी प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों का प्राचार्य ने शुभकामनाएं दी।

मां कर्मा की जयंती मनाई गई

ब्यौहारी-बस स्टैंड देवी मंदिर में मां कर्मा की जयंती साहू समाज द्वारा धूमधाम से बनाई गई मां कर्मा की पूजा अर्चना के बाद प्रसाद बांटा गया दिनांक कार्यक्रम में प्रमुख रूप से साहू समाज ब्लॉक अध्यक्ष सुरेश साहू , रामपाल साहू ,रोशन नागपाल , शिवकुमार साहू , मोहन साहू ,हीरालाल साहू,अशोक साहू,बसंत साहू ,अनुराग साहू , प्रमोद साहू, पूरन साहू,उमेश साहू,नीता साहू,रेखा साहू,मोना साहू,शांति साहू सैकड़ो साहू समाज जन उपस्थित रहे ।

आरकेटीसी–प्रबंधन की तिकड़ी से एसईसीएल को रोज़ाना करोड़ों का नुकसान

अमलाई ओसीएम में अव्यवस्था का साम्राज्य

धनपुरी (शहडोल)

सोहागपुर एरिया अंतर्गत अमलाई ओसीएम (ओपन कास्ट माइन) इन दिनों उत्पादन से ज्यादा विवादों और घटनाओं के कारण चर्चा में है। कभी कबाड़ चोरी, कभी कर्मचारियों के बीच मारपीट, तो कभी धरना-प्रदर्शन—ऐसा लगता है मानो इस महत्वपूर्ण खदान की कमर ही टूट चुकी है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि स्थानीय स्तर पर यह सवाल तेज़ी से उठने लगा है कि आखिर इस पूरे घटनाक्रम के पीछे किसकी जिम्मेदारी है और किसकी मिलीभगत से यह सब चल रहा है।जानकारों का कहना है कि जब से आरकेटीसी कंपनी को ओबी हटाने और उत्पादन बढ़ाने का काम मिला है, तब से अमलाई ओसीएम में घटनाओं की श्रृंखला थमने का नाम नहीं ले रही। शुरुआत में ही एक डोजर ऑपरेटर की दर्दनाक मौत ने पूरे सोहागपुर एरिया को झकझोर दिया था। उस हादसे के बाद सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने और ठेका कंपनी पर सख्ती की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन हालात उल्टे और बिगड़ते नजर आ रहे हैं।सूत्रों के अनुसार आरकेटीसी कंपनी में लगातार प्रबंधन स्तर पर बदलाव किए जा रहे हैं। कभी कर्मचारियों को हटाया जाता है, तो कभी जीएम बदल दिए जाते हैं। सवाल यह है कि आखिर इतनी बार बदलाव की जरूरत क्यों पड़ रही है? क्या कंपनी के भीतर गंभीर अनियमितताएं हैं, या फिर किसी बड़े खेल को छिपाने की कोशिश की जा रही है? यह भी चर्चा है कि कंपनी में रेड्डी नाम का एक प्राइवेट जीएम आने के बाद से हालात और अधिक उलझे हुए दिखाई दे रहे हैं।इसी बीच कल दोपहर अमलाई ओसीएम में एक और गंभीर घटना होते-होते बच गई। बताया जाता है कि माइनिंग सरदार विवेक शोमकुमार अपनी पहली ड्यूटी पूरी कर घर जा रहे थे। तभी आरकेटीसी कंपनी की बस, जो शिफ्ट लेकर कैम्प की ओर जा रही थी, ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

इस टक्कर में कालरी कर्मी के हाथ और सीने में गंभीर चोटें आईं तथा उनकी गाड़ी भी क्षतिग्रस्त हो गई। घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में कालरी कर्मचारी पहुंच गए और स्थिति तनावपूर्ण हो गई। बाद में खदान के अधिकारियों और ठेका कंपनी के प्रबंधकों ने पहुंचकर किसी तरह मामला शांत कराया। आपको बता दे की जो बस कंपनी द्वारा लगाई गई है उस पर नंबर प्लेट तक अंकित नही जो सरासर नियमों का उलंघन है। लेकिन अवैध कामाई के चक्कर मे एस ई सी एल प्रबंधन सोहागपुर एरिया अब मानवीय संवेदनाओ और सुरक्षा से परे हट कर मनमानी करने पर आमादा है। उन्हें अपने यहां कार्यरत कर्मचारियों की जान की अब कोई भी चिंता नहीं है?इस घटना ने एक बार फिर अमलाई ओसीएम की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। खदान जैसे संवेदनशील और जोखिम भरे कार्यस्थल पर यदि वाहन संचालन और सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हो रहा, तो यह न केवल कर्मचारियों की जान के साथ खिलवाड़ है बल्कि कंपनी की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक बी.के. जेना और अमलाई ओसीएम के सब एरिया मैनेजर रमन्ना की आरकेटीसी कंपनी के साथ कथित मिलीभगत के कारण हालात नियंत्रण से बाहर हो गए हैं। सूत्रों का दावा है कि उत्पादन बढ़ाने के नाम पर कई ऐसे फैसले लिए जा रहे हैं जिनसे एसईसीएल को फायदा कम और नुकसान ज्यादा हो रहा है। इससे न केवल खदान की कार्यप्रणाली प्रभावित हो रही है बल्कि सरकारी कंपनी की साख पर भी आंच आ रही है।पर्यावरण को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। खदान क्षेत्र में ओबी हटाने और भारी मशीनों के संचालन के दौरान नियमों की अनदेखी किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। धूल, प्रदूषण और अव्यवस्थित खनन गतिविधियों के कारण आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरणीय असंतुलन बढ़ने की बात भी स्थानीय लोग कह रहे हैं। यदि यह स्थिति जारी रही तो आने वाले समय में इसका असर न केवल पर्यावरण बल्कि आसपास के गांवों के जीवन पर भी पड़ सकता है।एसईसीएल के एक सेवानिवृत्त अधिकारी ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि वर्तमान हालात प्रबंधन की कमजोर निगरानी और निजी हितों के कारण पैदा हो रहे हैं। उनका कहना है कि यदि समय रहते पारदर्शिता और सख्ती नहीं बरती गई तो यह स्थिति कंपनी के लिए आर्थिक रूप से बेहद नुकसानदायक साबित हो सकती है।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सीसीएल/एसईसीएल का शीर्ष प्रबंधन इन लगातार हो रही घटनाओं और विवादों पर खुलकर सामने आएगा? क्या बार-बार हो रही दुर्घटनाओं और अव्यवस्थाओं की निष्पक्ष जांच होगी? और क्या यह स्पष्ट किया जाएगा कि आखिर किसकी जिम्मेदारी से अमलाई ओसीएम जैसी महत्वपूर्ण खदान में रोज़ाना करोड़ों रुपये का नुकसान हो रहा है?जब तक इन सवालों का जवाब नहीं मिलता, तब तक अमलाई ओसीएम में जारी यह अव्यवस्था और विवाद एसईसीएल की कार्यप्रणाली पर गहरे सवाल खड़े करते।

जिला स्तरीय दिव्यांग स्वास्थ्य परीक्षण शिविर मे 207 दिव्यांगों का हुआ चिन्हांकन

अनूपपुर। जिले में 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के दिव्यांग बच्चों की पहचान, स्क्रीनिंग और दिव्यांगता प्रमाणन के लिए 18 मार्च 2026 को जिला स्तरीय विशेष शिविर जिला चिकित्सालय अनूपपुर प्रांगण में आयोजित किया गया। कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी के दिशा-निर्देशन में आयोजित शिविर मे जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र के दिव्यांग बच्चों ने अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित रहकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया। स्वास्थ्य परीक्षण उपरांत चिकित्सा विषय विशेषज्ञों द्वारा दिव्यांग प्रतिशत के आधार पर दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए गए जिसके आधार पर यूडीआईडी कार्ड बनाने की कार्यवाही की गई। शिविर में बनाए गए दिव्यांगता प्रमाण पत्र के आधार पर दिव्यांगजन शासन की विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। शिविर में मानसिक रोग विशेषज्ञ, मेडिसिन रोग विशेषज्ञ, नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ, नेत्र विशेषज्ञ, आर्थोपोडिक्स विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ ने उपस्थित रहकर दिव्यांग जनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने शिविर में उपस्थिति रहकर दिव्यांगों की समस्याएं सुनी तथा दिव्यांगों के स्वास्थ्य परीक्षण कार्य की मॉनिटरिंग की। उन्होंने दिव्यांगों तथा उनके परिजनों से दिव्यांगता के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं का समाधान कराया। दिव्यांग स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में सामाजिक न्याय विभाग के उपसंचालक के के सोनी, जनपद पंचायत जैतहरी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी के के रैकवार, जनजातीय कार्य विभाग की सहायक आयुक्त सुश्री सरिता नायक, महिला बाल विकास विभाग की सहायक संचालक श्रीमती मंजूषा शर्मा, सर्व शिक्षा अभियान के एपीसी संतोष मिश्रा, जिला चिकित्सालय के लैब टेक्नीशियन भाई लाल पटेल, समग्र विस्तार अधिकारी सुदीप गर्ग, सहित सिविल सर्जन डॉ एस आर परस्ते एवं विशेषज्ञ चिकित्सक व

जब जीव के भीतर अभिमान जागृत होता है, तो वह प्रभु से दूर हो जाता है,बाल कृष्ण

श्रीमद्भागवत कथा में गूंजे श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह के जयकारे, भक्तिमय माहौल में निकली भव्य बारात

बुढार। हीरा कॉलोनी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन श्रद्धा और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। कथा व्यास बालकृष्ण पांडे महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मिणी के विवाह का दिव्य प्रसंग सुनाया, जिसे सुनकर पंडाल में मौजूद श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

जीवात्मा का परमात्मा से मिलन है 'महारास'- कथा के दौरान व्यास जी ने महारास की आध्यात्मिक व्याख्या करते हुए बताया कि यह केवल नृत्य नहीं, बल्कि जीवात्मा का परमात्मा से मिलन है। उन्होंने भक्तों को सचेत करते हुए कहाः

"जब जीव के भीतर अभिमान जागृत होता है, तो वह प्रभु से दूर हो जाता है। लेकिन जो अनन्य प्रेम और विरह में भगवान को याद करता है, श्रीकृष्ण उस पर अनुग्रह कर साक्षात दर्शन देते हैं।"

धूमधाम से निकली भगवान की बारात- कथा के मुख्य आयोजक नरेंद्र तिवारी एवं उनके परिवार के नेतृत्व में भगवान श्रीकृष्ण की भव्य बारात निकाली गई। हीरा कॉलोनी के प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर से शुरू हुई यह बारात बाजे-गाजे और जयकारों के साथ नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरी। बारात में नगर के हर वर्ग के लोग झूमते-नाचते नजर आए। बारात के पुनः कथा पंडाल पहुंचने पर दूल्हा स्वरूप श्रीकृष्ण का भव्य स्वागत किया गया।

वरमाला और दिव्य विवाह संपन्न- कथा स्थल में रुक्मिणी माता के स्वरूप ने भगवान श्रीकृष्ण को वरमाला पहनाई, जिसके साथ ही विवाह की रस्में संपन्न हुईं। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने नवयुगल झांकी पर पुष्प वर्षा की और उपहार भेंट किए। कथा व्यास श्री पांडे और उनके सहयोगियों द्वारा क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों को पटका एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया।

ठप पड़ी 'नल-जल व्यवस्था, प्यासा अनूपपुर

कहीं मोटर जली, कहीं जल स्रोत सूखे, 48 योजनाएं बनीं शोपीस

मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले में पेयजल व्यवस्था चरमराकर पूरी तरह सवालों के घेरे में आ गई है। नल-जल योजना, जिसे हर घर तक पानी पहुंचाने की उम्मीद के साथ शुरू किया गया था, अब खुद ही दम तोड़ती नजर आ रही है। जिले में 48 योजनाएं बंद पड़ी हैं, जबकि बाकी भी किसी तरह खींचतान में चल रही हैं। नतीजा ग्रामीणों को बूंद-बूंद पानी के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में नल-जल योजना की जमीनी सच्चाई अब किसी से छिपी नहीं है। सरकार ने बड़े-बड़े दावे किए है हर घर नल, हर घर जल। लेकिन हकीकत यह है कि ये योजनाएं अब 'हर घर जल' नहीं बल्कि 'हर गांव संकट' बन चुकी हैं। जिले में कुल 256 नल-जल योजनाएं संचालित बताई जा रही हैं, जिनमें से केवल 208 किसी तरह चालू हैं और 48 पूरी तरह बंद पड़ी हैं। इन योजनाओं के ठप होने के पीछे कारण भी चौंकाने वाले हैं कहीं मोटर जल चुकी है, कहीं ट्रांसफार्मर खराब है, तो कहीं जलस्रोत ही सूख गए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी इन योजनाओं का रखरखाव क्यों नहीं हो पा रहा? क्या योजना बनाते समय भविष्य की जरूरतों और संसाधनों का आकलन नहीं किया गया था? गांवों में हालात यह हैं कि महिलाएं और बच्चे कई किलोमीटर दूर से पानी ढोने को मजबूर हैं। हैंडपंप खराब पड़े हैं, कुएं सूख चुके हैं और पाइपलाइन सिर्फ दिखावे के लिए खड़ी है। शिकायतें लगातार की जा रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभागों की नींद नहीं टूट रही। अब यह समस्या सिर्फ पानी की नहीं रही है यह प्रशासनिक लापरवाही, भ्रष्ट सिस्टम और अधूरी योजनाओं की खुली पोल बन चुकी है।

मोटर जली, योजना जली आखिरकार जिम्मेदार कौन?

जिले में 12 से ज्यादा नल-जल योजनाएं केवल मोटर खराब होने के कारण बंद पड़ी हैं। अनूपपुर, कोतमा और जैतहरी क्षेत्रों में यह समस्या आम हो चुकी है। हैरानी की बात यह है कि मोटर जैसी बुनियादी चीज की मरम्मत महीनों तक नहीं की जाती। कई जगह मोटर जलने के बाद उसे बदलने का प्रस्ताव तक फाइलों में दबा पड़ा है। इसका सीधा असर ग्रामीणों पर पड़ रहा है, जिन्हें पानी के लिए रोजाना संघर्ष करना पड़ता है। यह स्थिति बताती है कि सिस्टम में न केवल लापरवाही है, बल्कि जवाबदेही भी पूरी तरह खत्म हो चुकी है।

सूखते जलस्रोत, डूबती योजनाएं

करीब 11 नल-जल योजनाएं जलस्रोत सूखने के कारण बंद हो चुकी हैं। यह सबसे गंभीर स्थिति है, क्योंकि बिना स्थायी जलस्रोत के योजना शुरू करना ही अपने आप में बड़ी चूक है। कोतमा, जैतहरी और पुष्पराजगढ़ क्षेत्रों में जलस्रोत तेजी से खत्म हो रहे हैं, लेकिन वैकल्पिक व्यवस्था के नाम पर सिर्फ कागजी योजनाएं बनाई जा रही हैं। यह साफ संकेत है कि योजना बनाते समय पर्यावरण और भूजल स्तर का सही आकलन नहीं किया गया, जिसका खामियाजा आज ग्रामीण भुगत रहे हैं।

ट्रांसफार्मर खराब, बिजली गई तो पानी गायब

7 योजनाएं सिर्फ ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण बंद हैं। यानी बिजली गई तो पानी भी गया। यह समस्या बताती है कि नल-जल योजना पूरी तरह बिजली पर निर्भर है, लेकिन बैकअप या वैकल्पिक व्यवस्था का कोई इंतजाम नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार महीनों तक ट्रांसफार्मर नहीं बदले जाते, जिससे पूरी योजना ठप हो जाती है। यह सीधी-सीधी विभागीय उदासीनता का उदाहरण है।

रखरखाव के नाम पर शून्य, पंचायतें बनी दर्शक

8 योजनाएं पंचायत स्तर पर रखरखाव न होने के कारण बंद पड़ी हैं। पंचायतों को जिम्मेदारी दी गई, लेकिन न संसाधन दिए गए और न ही प्रशिक्षण। नतीजा योजनाएं शुरू होते ही दम तोड़ देती हैं। सीएम हेल्पलाइन तक शिकायतें पहुंच रही हैं, लेकिन समाधान कागजों तक सीमित है। यह स्थिति बताती है कि योजना बनाने के बाद उसका रखरखाव पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया है।

हैंडपंप भी बंद, अब जाएं तो जाएं कहां?

स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि हैंडपंप भी जवाब देने लगे हैं। जिले में 141 हैंडपंप खराब हैं और 44 पूरी तरह अनुपयोगी हो चुके हैं। यानी न नल-जल योजना काम कर रही है और न ही परंपरागत जल स्रोत। ग्रामीणों के पास अब सिर्फ एक विकल्प बचा है कि कई किलोमीटरों दूर जाकर पानी लाना है। यह स्थिति आने वाले समय में और गंभीर जल संकट का संकेत दे रही है। अनूपपुर में नल-जल योजना अब विकास नहीं, विफलता का प्रतीक बन चुकी है। करोड़ों की योजनाएं धूल खा रही हैं और जनता प्यास से तड़प रही है। अगर अब भी जिम्मेदार नहीं जागे, तो यह सिर्फ पानी की समस्या नहीं रहेगी बल्कि यह प्रशासनिक ढांचे की सबसे बड़ी नाकामी के रूप में दर्ज होगी।

हल्की बारिश के साथ जोरदार गिरे ओले

हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा।

पिछले दो दिनों से आसमान पर काले बादल छाए हुए थे जिसे देख लोग अनुमान लगा रहे थे कि हो सकता है बारिश हो और लोगों का अनुमान बुधवार की शाम सही साबित हुई समय लगभग 5:35 में पहले हल्की-हल्की बारिश शुरू हुई और उसी के साथ में छोटे-छोटे ओले और चंद मिनट में ही बारिश कम ओले ज्यादा हो गए और लगभग दो-तीन मिनट तक जोरदार ओले गिरे और बारिश भी होती रही हालांकि बारिश और ओले गिरने से आम जनों को थोड़ी ठंडक तो महसूस हुई लेकिन किसानों के लिए यह बारिश और ओले किसी परेशानी से कम नहीं है अभी भी अनेक किसानों के गेहूं की फसल खेतों पर पक कर तैयार है जिससे भारी नुकसान होने की आशंका है वही इस बार आम में अच्छे बौर आए थे और उम्मीद जगी थी कि यदि बारिश और ओले से बच जाएंगे तो इस मौसम में आम खाने को मिलेगा लेकिन बारिश और ओले ने आम की फसल को काफी नुकसान पहुंचाया वहीं महुआ के फूलों के भी झड़ने से नुकसान हुआ है। आज की बारिश और ओले गिरने से शहरी क्षेत्र में तो लोगों को ठंडक और मौसम सुहाना लगा होगा लेकिन किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीर जरूर दिखाई पड़ने लगी है। इस बारिश ओले से खेतों में खड़ी फसल मटर, अलसी, सरसो, अरहर, दलहन जैसी फसलों को थोड़ी बहुत नुकसान की संभावना बताई जा रही है क्योंकि यह सभी फसल लगभग लगभग पक कर तैयार है कुछ किसानों ने तो फसल काट ली है लेकिन अभी भी कुछ किसानों की फसल खेत पर ही है हालांकि लोगों का कहना है की थोड़ी बारिश और थोड़े ओले से ज्यादा नुकसान नहीं होना चाहिए।

पत्रकार अमित शुक्ला पर जानलेवा हमला, पत्रकारों में आक्रोश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। बीती रात राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के जिला अध्यक्ष एवं जिला स्तरीय अधिमान्य पत्रकार अमित शुक्ला के ऊपर अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा जानलेवा हमला, लूटपाट एवं मारपीट की गंभीर घटना को अंजाम दिया गया। इस कायराना घटना को लेकर जिले भर के पत्रकारों में भारी आक्रोश व्याप्त है। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के समस्त पदाधिकारी एवं पत्रकार साथियों ने अनूपपुर कोतवाली पहुंचकर कोतवाली प्रभारी अरविंद जैन से मुलाकात की और आरोपियों के विरुद्ध कठोर एवं त्वरित कार्रवाई की मांग की। कोतवाली प्रभारी द्वारा आश्वासन दिया गया कि मामले में कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पत्रकारों ने स्पष्ट कहा है कि यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला, तो आगे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। पत्रकारों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं होगा।

ज्योत्साचार्य अखिलेश त्रिपाठी ने दी चैत्र नवरात्रि के संपूर्ण जानकारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

चैत्र नवरात्रि हिंदू धर्म का सबसे महत्वपूर्ण और उत्साहपूर्ण पर्व है। यह नौ दिनों तक चलने वाला उत्सव मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित है। इस दौरान भक्त व्रत रखते हैं, घटस्थापना करते हैं और मां दुर्गा से सुख-समृद्धि, शक्ति एवं विजय की कामना करते हैं। 2026 में चैत्र नवरात्रि कल यानी 19 मार्च, दिन-गुरुवार से शुरू हो रही है और 27 मार्च, दिन-शुक्रवार को राम नवमी के साथ समाप्त होगी। इसी दिन हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 का भी आरंभ होगा। आइए जानते हैं चैत्र नवरात्रि की सही तिथि, घटस्थापना के लिए मुहूर्त और पूजा विधि।

चैत्र नवरात्रि 2026 की तिथि और अवधि

श्री त्रिपाठी पंचांग गणना के अनुसार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 19 मार्च 2026 को सुबह 6:52 बजे शुरू हो रही है। नवरात्रि इसी दिन से आरंभ होगी और 27 मार्च को राम नवमी के साथ समाप्त होगी। यह नौ दिन की अवधि है, जिसमें मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। इस दौरान घटस्थापना, कन्या पूजन और दुर्गा सप्तशती पाठ का विशेष महत्व रहता है। नवरात्रि के अंत में राम नवमी पर भगवान राम का जन्मोत्सव भी मनाया जाता है।

घटस्थापना के शुभ मुहूर्त

ज्योतिषचार्य अखिलेश त्रिपाठी घटस्थापना नवरात्रि का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। 19 मार्च को घटस्थापना का मुख्य शुभ मुहूर्त सुबह 6:52 बजे से 10:10 बजे तक रहेगा। यदि इस समय घटस्थापना न हो पाए तो अभिजीत मुहूर्त में भी किया जा सकता है, जो दोपहर 11:47 बजे से 12:36 बजे तक उपलब्ध रहेगा। इस मुहूर्त में पूजा करने से मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है और पूरे नौ दिन सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है।

शुभ मुहूर्त

द्रिक पंचांग के अनुसार, चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 19 मार्च गुरुवार को सुबह 6 बजकर 52 मिनट से आरंभ हो रही है, जो 20 मार्च को सुबह 4 बजकर 51 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में उदया तिथि के आधार पर चैत्र नवरात्रि का आरंभ 19 मार्च से हो रही है, जो 27 मार्च को रामनवमी के साथ समाप्त होगी। दशमी तिथि को व्रत का पारण किया जाएगा।

केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर के उन्नयन पर प्राचार्य का सम्मान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन जबलपुर के उपायुक्त दिग्गराज मीना द्वारा केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर के प्राचार्य को पत्र लिखकर उन्नयन की जानकारी देते हुए कक्षा 11 विज्ञान संकाय 2026-27 शैक्षणिक सत्र में प्रारंभ करने की मंजूरी दी है। अनूपपुर में कक्षा 10 तक ही केन्द्रीय विद्यालय संचालित था, इसके बाद की शिक्षा के लिए अन्य शहरों की ओर रुख करना पड़ता था जिससे छात्रों और अभिभावकों को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अभिभावकों द्वारा लगातार विद्यालय के उन्नयन की मांग किया जा रहा था। क्षेत्र के बच्चों को यहां वहां भटकना नहीं पड़ेगा अनूपपुर में ही शिक्षा ग्रहण करने की सुविधा उपलब्ध होने पर जनपद पंचायत जैतहरी के अध्यक्ष राजीव सिंह, नगरपालिका परिषद अनूपपुर के पूर्व अध्यक्ष राम खेलावन राठौर और पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष जीवेन्द्र सिंह ने केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर में जाकर प्राचार्य डॉ देवेन्द्र कुमार तिवारी का शाल श्रीफल गुलदस्ता भेंट कर मिठाई खिलाकर स्वागत और अभिनंदन कर धन्यवाद ज्ञापित किया। केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर के नवीन भवन निर्माण कार्य भी बहुत तीव्र गति से ग्राम मानपुर मे चल रहा है शीघ्र ही विद्यालय स्वयं के नवीन भवन पर संचालित होगा जिससे छात्रों के लिए एडमिशन की सीटें बढ़ेंगी और अधिक से अधिक छात्र लाभान्वित होंगे। केन्द्रीय विद्यालय अनूपपुर के उन्नयन से पूरे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण निर्मित है कलेक्टर अनूपपुर और केंद्रीय विद्यालय अनूपपुर के प्राचार्य का स्थानीय अभिभावकों ने आभार व्यक्त किया है।

अनुपपुर में क्रिकेट बॉक्स निर्माण जिला प्रशासन का सराहनीय प्रयास-विधायक बिसाहूलाल सिंह

विधायक अनुपपुर ने 15.14 लाख रुपये की लागत से निर्मित क्रिकेट बॉक्स का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विधायक अनूपपुर बिसाहूलाल सिंह ने कहा है कि मध्य प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है, जिनके माध्यम से युवा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

यह प्रदेश के लिए गर्व एवं सराहना का विषय है। उन्होंने कहा कि अनूपपुर नगर में खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से क्रिकेट बॉक्स का निर्माण जिला प्रशासन का सराहनीय प्रयास है। इसके निर्माण से जिले की नई खेल प्रतिभाओं को उभरने का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। विधायक बिसाहूलाल सिंह आज अनूपपुर में नवीन क्रिकेट बॉक्स के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने नगर पालिका परिषद अनूपपुर द्वारा मैकल क्लब में जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से 15.14 लाख रुपये की लागत से निर्मित क्रिकेट बॉक्स का फीता काटकर लोकार्पण किया। तत्पश्चात उन्होंने उन्होंने बैट पकड़कर औपचारिक रूप से क्रिकेट खेलकर कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया। कार्यक्रम में कलेक्टर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान, अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती प्रीति सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद अनूपपुर श्रीमती अंजुलिका सिंह, उपाध्यक्ष नगर पालिका अनूपपुर श्रीमती सोनाली तिवारी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर कमलेश पुरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पत्रकारगण एवं आमजन उपस्थित रहे।

इश्क, इंकार और खंडहर में दफन सच

48 घंटे में बेनकाब हुआ मौत का प्यार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जंगल के बीच एक खामोश खंडहर जहां हवा भी डरकर गुजरती है। उसी वीराने में सड़ती लाश ने ऐसा राज उगला, जिसने प्यार, भरोसे और इंसानियत तीनों को कठघरे में खड़ा कर दिया है। जैतहरी की इस सनसनीखेज हत्या ने हर किसी को सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या सच में प्यार इतना खतरनाक हो सकता है? 15 मार्च की सुबह ग्राम गुंवारी। एक साधारण दिन अचानक खौफनाक बन गया, जब खेत देखने पहुंचे रामखेलावन राठौर को अपने पुराने खंडहर मकान से उठती सड़ी हुई बदबू ने रोक लिया। जैसे ही दरवाजा खुला सामने था मौत का वो मंजर, जिसे देखकर रूह कांप जाए... एक युवती का सड़ा-गला शव, शरीर के अंग गल चुके, चेहरा ढंका हुआ पहचान मिटाने की पूरी कोशिश। लेकिन हत्यारा भूल गया था हर राज हमेशा दफ्न नहीं रहता है। वो खंडहर सिर्फ ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं था वो एक साजिश का गवाह था। कमरे के अंदर पड़ा शव, पास बिखरी जूती, पर्स और घड़ी जैसे आखिरी वक्त में भी सच बोलने की कोशिश कर रहे हों। हर चीज चीख-चीखकर बता रही थी कि यहां सिर्फ हत्या नहीं, बल्कि एक रिश्ते का अंत हुआ है। जांच आगे बढ़ी तो एक गुमशुदगी रिपोर्ट ने कहानी को नया मोड़ दिया। 18 फरवरी से लापता काजल पुरी 24 साल की, सपनों से भरी एक लड़की, जो कॉलेज जाने के बहाने घर से निकली थी। परिजनों की आंखों में उम्मीद थी लेकिन खंडहर में मिली लाश ने उन उम्मीदों को हमेशा के लिए दफ्न कर दिया।

कहानी की असली शुरुआत सोशल मीडिया से हुई। फेसबुक पर दोस्ती, फिर मुलाकातें, फिर प्यार और फिर वो मोड़, जहां रिश्ते जिम्मेदारी मांगते हैं। रवि उर्फ ठाकुर साहब जिसे काजल ने अपना सब कुछ समझा, वही उसके जीवन का सबसे बड़ा धोखा

बन गया। काजल शादी चाहती थी अपना हक, अपना नाम। लेकिन रवि के लिए ये प्यार नहीं, एक बोझ बन चुका था। जात-बिरादरी, समाज और बदनामी का डर इन सबने मिलकर उसके अंदर के इंसान को खत्म कर दिया। और यहीं उसने तय किया अब काजल जिंदा नहीं रहेगी। 17 फरवरी काजल को प्यार का भरोसा देकर आरोपी बाइक पर बैठाकर सुनसान जंगल की ओर ले गया। वो सोच रही थी कि शायद आज रिश्ता मंजिल तक पहुंचेगा लेकिन उसे क्या पता था कि वो अपनी मौत की ओर जा रही है। खंडहर के अंदर कुछ पल की बातचीत और फिर एक पत्थर एक वार और सब खत्म। कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। हत्या के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने की हर कोशिश की मोबाइल की सिम तोड़ दी, फोन छिपा दिया, और शव को सड़ने के लिए छोड़ दिया, ताकि पहचान तक मिट जाए। उसे लगा कि अब कोई सच तक नहीं पहुंच पाएगा। लेकिन वो भूल गया था कि कानून की नजर से कोई बच नहीं सकता। जैतहरी पुलिस ने मामले को चुनौती की तरह लिया। साइबर तकनीक, कॉल डिटेल्स और सटीक जांच ने उस खामोश खंडहर से निकलते हर सुराग को जोड़ दिया। और आखिरकार आरोपी रवि उर्फ चन्द्रभान राठौर को गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी दुकान से बरामद हुआ मोबाइल और वही बाइक, जिसने काजल को मौत तक पहुंचाया। ये सिर्फ एक हत्या नहीं ये एक सवाल है समाज के सामने। क्या प्यार सिर्फ तब तक ही होता है, जब तक जिम्मेदारी न आए? क्या डर और बदनामी के नाम पर किसी की जिंदगी छीन लेना इतना आसान हो गया है? जैतहरी का वो खंडहर अब भी खड़ा है लेकिन उसकी दीवारें आज भी एक ही बात कहती हैं कि "प्यार अगर सच्चा न हो तो वो सबसे खतरनाक हथियार बन जाता है।"

अखिल भारतीय क्षत्रीय महासंघ की बहनों ने वृद्धा आश्रम में किया फल वितरण और गमछा भेट

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अखिल भारतीय क्षत्रीय महासंघ अनूपपुर की सभी बहनों के द्वारा होली उपरांत चैत्र नव वर्ष आगमन की अग्रिम शुभकामनाएं हेतु वृद्धा आश्रम सीतापुर में जाकर सभी बुजुर्गों को फल वितरण और गमछा सप्रेम भेट किया गुलाल लगाकर होली और चैत्र आगमन की एक दूसरे को बधाई दी और बड़ों से आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके चेहरे खुशियों से खिल उठे थे। अपने परिवार के अनुसार प्रेम पा कर वह बहुत खुश हुए और हम सब भावुक हो गए थे, हमारी क्षत्रिय बहनों की आंखें भावुकतावश नम हो गई थी। बुजुर्गों का सम्मान सभी अपने घर परिवार और बाहर जहां भी हो उन सब का सम्मान जरूर करें। सभी के साथ बच्चे और बच्चियों को एक संदेश भी मिला। कार्यक्रम में श्रीमती कुमकुम सिंह बघेल जिला संरक्षिका, श्रीमती मीना सिंह जिला अध्यक्ष, श्रीमती गीता सिंह बघेल कोषाध्यक्ष, सक्रिय सदस्य श्रीमती बिंदु सिंह, मुख्य कार्यकारी सदस्य श्रीमती सरिता सिंह चंदेल, सह सचिव श्रीमती रूही सिंह चंदेल, मीडिया प्रभारी श्रीमती प्रियंका सिंह बघेल, श्रीमती रीना सिंह परिहार, अमरदीप सिंह चंदेल, शिक्षा सिंह, अक्ष सिंह बघेल बच्चों ने भी सहभागिता निभाई। जिलध्यक्ष श्रीमती मीना सिंह ने उपस्थित बहनों का बच्चों का हृदय से आभार व्यक्त किया। अखिल भारतीय क्षत्रिय समाज के द्वारा ऐसे ही परिवार हित समाजहित और राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में कुल 11 एक्स रे मशीन का किया जा रहा संचालन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में आमजन के स्वास्थ्य सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए एक्सरे मशीन का संचालन जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में किया जा रहा है। जिला चिकित्सालय अनूपपुर में 4, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पुष्पराजगढ़ में 1, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतहरी में 1, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोठी में 1, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा में 1, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करपा में 1, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फुनगा में 1, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वेंकटनगर में 1 इस प्रकार जिले में कुल 11 एक्स रे मशीन का संचालन किया जा रहा है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अलका तिवारी ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी हड्डी रोग संबंधी जांच के लिए एवं इमरजेंसी स्थिति में एक्स-रे द्वारा जांच उपरोक्त स्वास्थ्य संस्थाओ में कराएं।

जिला स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान कार्यक्रम ग्राम बकेली में 19 मार्च को

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। "जल गंगा संवर्धन अभियान" का शुभारंभ 19 मार्च को वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम उज्जैन से प्रारंभ किया जाएगा। जिसके तारतम्य में जिला स्तरीय जल गंगा संवर्धन अभियान का कार्यक्रम जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत बकेली के जोरहा तालाब में 19 मार्च को दोपहर 11 बजे नियत किया गया है। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर हर्षल पंचोली ने विभिन्न व्यवस्थाओं हेतु अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। कलेक्टर ने जिला स्तरीय कार्यक्रम में आमजन, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं आदि से सहभागिता कर जल संरक्षण एवं संवर्धन के विशेष अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील की है।

न्यायालय : अरविन्द कुमार बरला न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड कोतमा, जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

इश्तहार

बैसाखू पाव वगैरह..........आवेदकगण
बनाम
शाखा प्रबंधक वगैरह.......अनावेदकगण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
सक्सेशन प्रकरणक्रमांक-एम.जे.सी.एस.यू.सी.-02/2026
पेशी दिनांक - 11.04.2026

प्रेषित:- 2- आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक बैसाखू पाव वगैरह ने मृतक बबलू उर्फ बब्बू पिता समारू वार्ड नंबर - 13 बिजुरी थाना बिजुरी, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर म.प्र. की अनावेदक क्रमांक - 1 शाखा प्रबंधक भारतीय जीवन बीमा निगम, शाखा कोतमा के कार्यालय में जमा संपूर्ण राशि एवं उस पर मिलने वाला ब्याज मय लाभांश को प्राप्त करने के लिए राशि संपत्तिहेतु उत्तराधिकार अथवा अभिभावक - संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए इस न्यायालय में आवेदन किया है, जिसकी सुनवाई दिनांक 11.04.2026 को होना है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 11 अप्रैल 2026 को न्यायालय में स्वयं एवं अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहे। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थिति रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षी की जाकर प्रकरण को निराकरण किया जावे। यह आज तारीख 27.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा करदिया गया है।

(अरविंद कुमार बरला)
व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड कोतमा, जिला अनूपपुर म.प्र.

नोट:-यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जावेगा।

न्यायालय - श्रीमान मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण रायगढ़, जिला रायगढ़ (छ.ग.)

//ईश्तहार//

मोटर दुर्घटना प्र.क्रं. 171/2025
पेशी तारीख 25-03-2026
प्रोसेस नम्बर 384/2026

सरस्वती ढेढ़ी वगैरह .....आवेदकगण
बनाम
राजेश प्रसाद सोनी वगैरह........अनावेदकगण

आवेदकगण द्वारा मोटर दुर्घटना प्रकरण क्रमांक 171/2025 सरस्वती टेढी वगैरह बनाम राजेश प्रसाद सोनी मे अनावेदक क्रमांक 1. राजेश प्रसाद सोनी पिता महेश प्रसाद सोनी उम्र 54 वर्ष, निवासी - वार्ड नंबर 8 दलदल, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर म0प्र0 को पेपर प्रकाशन के माध्यम से सूचना एवं उपस्थिति हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि अनावेदक क्रमांक 1. राजेश प्रसाद सोनी पिता महेश प्रसाद सोनी उम्र 54 वर्ष, निवासी वार्ड नंबर 8 दलदल, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर म.प्र. न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा है। अत: पेपर प्रकाशन के माध्यम से सूचना दिये जाने हेतु निवेदन किया है।

अत: इस नोटिस के जरिये अनावेदक क्रमांक 1. राजेश प्रसाद सोनी पिता महेश प्रसाद सोनी उम्र 54 वर्ष, निवासी वार्ड नंबर 8 दलदल, तहसील कोतमा, जिला अनूपपुर म.प्र. (जिसका इससे संबंध हो या जानकारी हो जो अपना पक्ष रखना चाहते हो) को सूचित किया जाता है कि आप स्वयं या अपने अधिवक्ता के मार्फत से (जिसे प्रकरण के संबंध में सम्यक जानकारी प्राप्त हो) सुनवाई पेशी तारीख 25-03-2026 को प्रात: 11.00 बजे इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर जवाब सह दस्तावेज प्रस्तुत करें अग्रिम कार्यवाही किया जावेगा।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई एवं निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। यदि उक्त तिथि को पीठासीन अधिकारी के या पेशी तारीख को अवकाश में होने या अवकाश होने की स्थिति में प्रकरण की सुनवाई अगले कार्य दिवस में की जावेगी।

इस न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर द्वारा आज दिनांक 16-03-2026 को जारी किया गया।

सील

(जितेंद्र कुमार जैन)
मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण रायगढ़ (छ.ग.)